

EXAM GENIUS

Presents

WEEKLY GENIUS BANKING AND FINANCE

In BILINGUAL

19 - 25 APRIL 2026

India's No. 1 Platform for UPSC
| SSC | BANK RAILWAY Exam



 UPSC

 SSC

 BANK

 RAILWAY

 STATE EXAMS

Ques: What was the year-on-year growth rate of bank credit in India as of March 31, 2026?

प्रश्न: 31 मार्च 2026 तक भारत में बैंक क्रेडिट की वर्ष-दर-वर्ष (YoY) वृद्धि दर क्या थी?

- A) 10%
- B) 12%
- C) 13.4%
- D) 15%
- E) 16%

Answer: Option E

Explanation | व्याख्या:

- Bank credit in India grew by 16% year-on-year as of March 31, 2026.
- 31 मार्च 2026 तक भारत में बैंक क्रेडिट 16% की दर से बढ़ा।
- Deposits increased by 13.4% during the same period.
- इसी अवधि में जमा (डिपॉजिट) 13.4% बढ़े।
- The data was released by the Reserve Bank of India.
- यह डेटा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया गया।
- Total deposits stood at ₹267.8 lakh crore, while bank credit reached ₹219 lakh crore.
- कुल जमा ₹267.8 लाख करोड़ रहे, जबकि बैंक क्रेडिट ₹219 लाख करोड़ रहा।
- Investments grew by 4.7% to ₹71.4 lakh crore.
- निवेश 4.7% बढ़कर ₹71.4 लाख करोड़ हो गया।
- In absolute terms, deposits increased by ₹31.7 lakh crore and credit by ₹30.1 lakh crore.
- वास्तविक रूप में, जमा ₹31.7 लाख करोड़ और क्रेडिट ₹30.1 लाख करोड़ बढ़ा।

Ques: What was India's unemployment rate (UR) in March 2026 as per PLFS data?

प्रश्न: PLFS के अनुसार मार्च 2026 में भारत की बेरोजगारी दर (UR) क्या थी?

- A) 4.5%

- B) 4.9%
- C) 5.0%
- D) 5.1%
- E) 5.5%

Answer: Option D

Explanation | व्याख्या:

- India's unemployment rate rose to 5.1% in March 2026.
 - मार्च 2026 में भारत की बेरोजगारी दर 5.1% हो गई।
 - It increased from 4.9% in February 2026, marking a five-month high.
 - यह फरवरी 2026 के 4.9% से बढ़कर पांच महीने का उच्चतम स्तर है।
 - The data is based on the Periodic Labour Force Survey (PLFS) released by the National Statistics Office.
 - यह डेटा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी PLFS पर आधारित है।
 - Labour Force Participation Rate (LFPR) stood at 55.4% in March.
 - मार्च में श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 55.4% रही।
 - Worker Population Ratio (WPR) declined to 52.6%.
 - वर्कर पॉपुलेशन रेशियो (WPR) घटकर 52.6% हो गया।
 - LFPR represents the percentage of people working or seeking work.
 - LFPR उन लोगों का प्रतिशत दर्शाता है जो काम कर रहे हैं या काम की तलाश में हैं।
 - WPR indicates the proportion of employed persons in the population.
 - WPR जनसंख्या में कार्यरत लोगों का अनुपात दर्शाता है।
-

Ques: As per IMF projections, India is expected to become the world's third-largest economy by which year?

प्रश्न: IMF के अनुसार भारत किस वर्ष तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है?

- A) 2027
- B) 2028
- C) 2030

- D) 2031
- E) 2035

Answer: Option D

Explanation | व्याख्या:

- According to International Monetary Fund (IMF) April 2026 data, India slipped to the 6th largest economy in 2025 with GDP around \$3.92 trillion.
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अप्रैल 2026 के अनुसार, भारत 2025 में लगभग \$3.92 ट्रिलियन GDP के साथ 6वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा।
- This decline is temporary due to rupee depreciation and GDP base year revision, not due to slowdown in growth.
- यह गिरावट अस्थायी है और रुपये की कमजोरी तथा GDP बेस ईयर संशोधन के कारण है, न कि विकास में कमी के कारण।
- India is projected to become the 4th largest economy by 2027, overtaking Japan.
- भारत 2027 तक जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।
- By 2031, India is expected to become the 3rd largest economy, surpassing Germany.
- 2031 तक भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।
- Despite temporary ranking changes, India remains one of the fastest-growing major economies globally.
- अस्थायी रैंकिंग बदलाव के बावजूद, भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

Ques: The 'Super Sales Saathi' mobile app launched by LIC is primarily designed for whom?

प्रश्न: LIC द्वारा लॉन्च किया गया 'Super Sales Saathi' मोबाइल ऐप मुख्य रूप से किसके लिए बनाया गया है?

- A) Policyholders / पॉलिसीधारक
- B) Bank officials / बैंक अधिकारी
- C) LIC agents / LIC एजेंट
- D) Government employees / सरकारी कर्मचारी
- E) Investors / निवेशक

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- Life Insurance Corporation of India launched two mobile apps — MyLIC and Super Sales Saathi.
- भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने दो मोबाइल ऐप — MyLIC और Super Sales Saathi लॉन्च किए।
- The apps were launched by M. Nagaraju in Mumbai.
- इन ऐप्स को मुंबई में एम. नागराजू द्वारा लॉन्च किया गया।
- Both apps are powered by LIC's DIVE platform (Digital Innovation & Value Enhancement).
- दोनों ऐप LIC के DIVE प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित हैं।
- The MyLIC app is a one-stop platform for policyholders to manage policies, pay premiums, and access benefits.
- MyLIC ऐप पॉलिसीधारकों के लिए एक प्लेटफॉर्म है, जहां वे पॉलिसी प्रबंधन, प्रीमियम भुगतान और लाभ की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- Super Sales Saathi is specifically designed for LIC agents with features like customer management and real-time updates.
- Super Sales Saathi विशेष रूप से LIC एजेंटों के लिए बनाया गया है, जिसमें ग्राहक प्रबंधन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं हैं।
- The initiative aims to enhance digital services, improve security, and provide a user-friendly experience.
- इस पहल का उद्देश्य डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाना, सुरक्षा बढ़ाना और उपयोगकर्ता-अनुकूल अनुभव प्रदान करना है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- LIC – Largest life insurance company in India
- LIC – भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी
- Established – 1956
- स्थापना – 1956
- Headquarters – Mumbai
- मुख्यालय – मुंबई
- DIVE Platform – Focuses on digital innovation and faster services
- DIVE प्लेटफॉर्म – डिजिटल नवाचार और तेज सेवाओं पर केंद्रित

Ques: How many banks have been authorised by the Indian government to import bullion for 3 years starting April 1, 2026, and which two banks are authorised to import only gold?

प्रश्न: भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से 3 वर्षों के लिए कितने बैंकों को बुलियन आयात की अनुमति दी है और कौन से दो बैंक केवल सोना आयात करने के लिए अधिकृत हैं?

- A) 15 Banks — SBI and HDFC / 15 बैंक — SBI और HDFC
- B) 17 Banks — PNB and Bank of India / 17 बैंक — PNB और बैंक ऑफ इंडिया
- C) 17 Banks — Union Bank of India and Sberbank / 17 बैंक — यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और स्बरबैंक
- D) 15 Banks — Union Bank of India and Sberbank / 15 बैंक — यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और स्बरबैंक
- E) 20 Banks — Deutsche Bank and ICBC / 20 बैंक — ड्यूश बैंक और ICBC

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- The Government of India, through Directorate General of Foreign Trade

(DGFT), has authorised 17 banks to import bullion for three years (April 1, 2026 to March 31, 2029).

- भारत सरकार ने DGFT के माध्यम से 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2029 तक 17 बैंकों को बुलियन आयात की अनुमति दी है।
- Out of these, 15 banks — including State Bank of India, HDFC Bank, Deutsche Bank and Industrial and Commercial Bank of China — can import both gold and silver.
- इनमें से 15 बैंक — जैसे SBI, HDFC बैंक, इयूश बैंक और ICBC — सोना और चांदी दोनों आयात कर सकते हैं।
- Only Union Bank of India and Sberbank are authorised to import only gold.
- केवल यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और स्बेरबैंक को सिर्फ सोना आयात करने की अनुमति है।
- Delay in issuing the authorisation list had halted imports, leaving over 5 tonnes of gold and around 8 tonnes of silver stuck without customs clearance.
- अनुमति सूची में देरी के कारण 5 टन से अधिक सोना और लगभग 8 टन चांदी सीमा शुल्क निकासी के बिना अटकी रही।
- India is the second-largest gold importer globally, importing \$72 billion worth of gold in 2025–26 (24% increase), while silver imports rose to \$12 billion.
- भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोना आयातक है, जिसने 2025–26 में \$72 बिलियन का सोना आयात किया (24% वृद्धि), जबकि चांदी का आयात \$12 बिलियन तक पहुंच गया।
- DGFT also changed the classification of gold, silver and platinum from 'free' to 'restricted', making licences mandatory for certain importers.
- DGFT ने सोना, चांदी और प्लेटिनम को 'मुक्त' से 'प्रतिबंधित' श्रेणी में डाल दिया, जिससे लाइसेंस अनिवार्य हो गया।

Ques: The 'Water Forward' initiative launched by the World Bank Group aims to ensure water security for how many people globally by 2030?

प्रश्न: विश्व बैंक समूह द्वारा शुरू की गई 'Water Forward' पहल का लक्ष्य 2030 तक वैश्विक स्तर पर कितने लोगों को जल सुरक्षा प्रदान करना है?

A) 200 million / 20 करोड़

- B) 400 million / 40 करोड़
- C) 600 million / 60 करोड़
- D) 800 million / 80 करोड़
- E) 1 billion / 100 करोड़

Answer: Option E

Explanation | व्याख्या:

- World Bank Group launched the global initiative 'Water Forward'.
- विश्व बैंक समूह ने 'Water Forward' नामक वैश्विक पहल शुरू की।
- The initiative aims to ensure water security for over 1 billion people by 2030.
- इस पहल का लक्ष्य 2030 तक 1 अरब से अधिक लोगों को जल सुरक्षा प्रदान करना है।
- A key feature is the introduction of country-led "Water Compacts".
- इसकी प्रमुख विशेषता देश-नेतृत्व वाले "Water Compacts" का परिचय है।
- Under these compacts, governments will define reforms, strengthen institutions, and create investment pathways.
- इन कॉम्पैक्ट्स के तहत सरकारें सुधारों को परिभाषित करेंगी, संस्थाओं को मजबूत करेंगी और निवेश के रास्ते बनाएंगी।
- The World Bank Group itself targets to provide water security to 400 million people.
- विश्व बैंक समूह स्वयं 400 मिलियन लोगों को जल सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखता है।
- The initiative is supported by institutions like Asian Development Bank, Asian Infrastructure Investment Bank, European Investment Bank, and New Development Bank.
- इस पहल को एशियाई विकास बैंक, एआईआईबी, यूरोपीय निवेश बैंक और न्यू डेवलपमेंट बैंक का सहयोग प्राप्त है।
- The initiative focuses on improving financing and accelerating water-related projects globally.
- यह पहल वित्त पोषण बढ़ाने और जल परियोजनाओं को तेज करने पर केंद्रित है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- World Bank Group – Provides financial and technical assistance to developing countries
 - विश्व बैंक समूह – विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है
 - Headquarters – Washington, D.C., USA
 - मुख्यालय – वाशिंगटन डी.सी., अमेरिका
 - SDG 6 – Clean Water and Sanitation
 - SDG 6 – स्वच्छ जल और स्वच्छता
-

Ques: What was India's trade deficit in FY 2025–26 as per official data?

प्रश्न: आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार FY 2025–26 में भारत का व्यापार घाटा कितना था?

- A) \$94.6 billion
- B) \$100.5 billion
- C) \$110.2 billion
- D) \$119.3 billion
- E) \$125.0 billion

Answer: Option D

Explanation | व्याख्या:

- India's trade deficit widened to \$119.3 billion in FY 2025–26.
- FY 2025–26 में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर \$119.3 बिलियन हो गया।
- It increased from \$94.6 billion in the previous financial year.
- यह पिछले वर्ष के \$94.6 बिलियन से बढ़ा है।
- The rise was mainly due to higher imports, which grew by 6.4% to \$979.4 billion.
- यह वृद्धि मुख्यतः आयात बढ़ने के कारण हुई, जो 6.4% बढ़कर \$979.4 बिलियन हो गया।
- Exports also grew by 4.22% to \$860 billion.

- निर्यात 4.22% बढ़कर \$860 बिलियन हो गया।
- Merchandise exports increased by 1% to \$441.78 billion.
- वस्तु निर्यात 1% बढ़कर \$441.78 बिलियन हो गया।
- Services exports rose by nearly 8% to \$418.31 billion.
- सेवा निर्यात लगभग 8% बढ़कर \$418.31 बिलियन हो गया।
- Exports to China increased by \$5 billion.
- चीन को निर्यात \$5 बिलियन बढ़ा।
- Trade surplus with the United States narrowed to \$34.4 billion from \$43 billion.
- अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष \$43 बिलियन से घटकर \$34.4 बिलियन रह गया।

Ques: What is the proposed FDI limit in India's pension sector as per recent news?

प्रश्न: हालिया खबरों के अनुसार भारत के पेंशन सेक्टर में प्रस्तावित FDI सीमा क्या है?

- A) 49%
- B) 74%
- C) 80%
- D) 100%
- E) 26%

Answer: Option D

Explanation | व्याख्या:

- The Government of India is considering increasing the FDI limit in the pension sector from 49% to 100%.
- Government of India पेंशन सेक्टर में FDI सीमा 49% से बढ़ाकर 100% करने पर विचार कर रही है।
- The move aims to align the pension sector with the insurance sector, where 100% FDI is already allowed.
- यह कदम पेंशन सेक्टर को बीमा क्षेत्र के अनुरूप लाने के लिए है, जहां 100% FDI की अनुमति है।

- A Bill to amend the PFRDA Act, 2013 is expected in the upcoming Parliament session.
- PFRDA Act, 2013 में संशोधन के लिए एक विधेयक आगामी संसद सत्र में लाया जा सकता है।
- The amendment may be introduced in the Monsoon or Winter Session 2026.
- यह संशोधन 2026 के मानसून या शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है।
- Currently, the FDI limit in the pension sector is capped at 49%.
- वर्तमान में पेंशन सेक्टर में FDI सीमा 49% है।
- Earlier, Parliament increased the FDI limit in the insurance sector from 74% to 100%.
- इससे पहले संसद ने बीमा क्षेत्र में FDI सीमा 74% से बढ़ाकर 100% कर दी थी।
- The amendment may also include separation of NPS Trust from PFRDA.
- संशोधन में NPS Trust को PFRDA से अलग करने का प्रावधान भी शामिल हो सकता है।
- NPS Trust functions may be brought under charitable trust or Companies Act framework.
- NPS ट्रस्ट के कार्यों को चैरिटेबल ट्रस्ट या कंपनी अधिनियम के तहत लाया जा सकता है।

Ques: As per the RBI's new NBFC Branch Authorisation Directions, 2025, which NBFCs are allowed to expand their branches across India?

प्रश्न: RBI के नए NBFC ब्रांच ऑथराइजेशन दिशानिर्देश 2025 के अनुसार किन NBFCs को पूरे भारत में शाखाएं खोलने की अनुमति है?

- A) NBFCs with NOF up to ₹50 crore / ₹50 करोड़ तक के NOF वाले NBFCs
- B) NBFCs with low credit rating / कम क्रेडिट रेटिंग वाले NBFCs
- C) NBFCs with NOF above ₹50 crore and AA or above rating / ₹50 करोड़ से अधिक NOF और AA या उससे अधिक रेटिंग वाले NBFCs
- D) All NBFCs without restrictions / सभी NBFCs
- E) Only deposit-taking NBFCs / केवल जमा स्वीकार करने वाले NBFCs

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- Reserve Bank of India issued new guidelines titled NBFC Branch Authorisation Directions, 2025.
 - भारतीय रिजर्व बैंक ने NBFC ब्रांच ऑथराइजेशन दिशानिर्देश, 2025 जारी किए।
 - NBFCs with net owned funds (NOF) above ₹50 crore and credit rating of AA or above can expand across India.
 - ₹50 करोड़ से अधिक NOF और AA या उससे अधिक रेटिंग वाले NBFCs पूरे भारत में विस्तार कर सकते हैं।
 - NBFCs with NOF up to ₹50 crore or lower ratings can open branches only within their home state.
 - ₹50 करोड़ तक NOF या कम रेटिंग वाले NBFCs केवल अपने राज्य में शाखाएं खोल सकते हैं।
 - NBFCs must notify RBI for branch expansion; if no objection is raised within 30 days, they can proceed.
 - शाखा विस्तार के लिए NBFCs को RBI को सूचित करना होगा; 30 दिनों में आपत्ति न होने पर विस्तार किया जा सकता है।
 - Applications must be submitted via the PRAVAAH portal.
 - आवेदन PRAVAAH पोर्टल के माध्यम से जमा किए जाएंगे।
 - National Housing Bank regulates Housing Finance Companies, which must inform NHB before opening branches and cannot open branches abroad.
 - हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को शाखा खोलने से पहले NHB को सूचित करना होगा और वे विदेश में शाखाएं नहीं खोल सकतीं।
 - NBFC-ICCs lending against gold must take prior RBI approval for opening more than 1,000 branches.
 - सोने के बदले ऋण देने वाले NBFC-ICCs को 1000 से अधिक शाखाएं खोलने के लिए RBI की पूर्व अनुमति लेनी होगी।
 - For branch closure, NBFCs must give at least 3 months' public notice and inform RBI/NHB.
 - शाखा बंद करने के लिए NBFCs को कम से कम 3 महीने पहले सार्वजनिक सूचना देनी होगी।
-

Ques: SEBI has approved which exchange's plan to set up a coal exchange in India?

प्रश्न: SEBI ने भारत में कोयला एक्सचेंज स्थापित करने की योजना को किस एक्सचेंज के लिए मंजूरी दी है?

- A) National Stock Exchange (NSE) / नेशनल स्टॉक एक्सचेंज
- B) Bombay Stock Exchange (BSE) / बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज
- C) Multi Commodity Exchange of India (MCX) / मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया
- D) India International Exchange (India INX) / इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज
- E) National Commodity & Derivatives Exchange (NCDEX) / नेशनल क्मोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has approved the plan of Multi Commodity Exchange of India (MCX) to set up a coal exchange.
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (MCX) की कोयला एक्सचेंज स्थापित करने की योजना को मंजूरी दी है।
- MCX will create a new subsidiary named MCX Coal Exchange.
- MCX एक नई सहायक कंपनी "MCX Coal Exchange" स्थापित करेगा।
- Initially, MCX will hold 100% stake in this subsidiary.
- प्रारंभ में इस सहायक कंपनी में MCX की 100% हिस्सेदारी होगी।
- The investment for setting up the exchange will be up to ₹100 crore.
- इस एक्सचेंज की स्थापना के लिए ₹100 करोड़ तक का निवेश किया जाएगा।
- Approval will also be required from the Coal Controller Organisation of India.
- इसके लिए कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया से भी अनुमति लेनी होगी।
- This initiative aims to bring transparency and efficiency in coal trading in India.

- इस पहल का उद्देश्य भारत में कोयला व्यापार में पारदर्शिता और दक्षता लाना है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- MCX Established – 10 November 2003
- MCX की स्थापना – 10 नवंबर 2003
- Headquarters – Mumbai, Maharashtra
- मुख्यालय – मुंबई, महाराष्ट्र
- Regulator – SEBI (since 2015)
- नियामक – SEBI (2015 से)
- FMC merged with SEBI – 28 September 2015
- FMC का SEBI में विलय – 28 सितंबर 2015
- Key Indices:
 - MCX iCOMDEX – Commodity index series
 - BULLDEX – Bullion index (Gold & Silver)
 - METLDEX – Base metals index
- Clearing Body – MCXCCL (Multi Commodity Exchange Clearing Corporation Limited)
- क्लियरिंग निकाय – MCXCCL (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड)

Ques : PayPoint India became the first private fintech to join which RBI system?

प्रश्न: PayPoint India किस RBI सिस्टम से जुड़ने वाली पहली प्राइवेट फिनटेक कंपनी बनी?

- A. UPI / यूपीआई
- B. NPCI Network / एनपीसीआई नेटवर्क
- C. Centralised Payment System (CPS) / सेंट्रलाइज्ड पेमेंट सिस्टम (CPS)
- D. IMPS / आईएमपीएस
- E. Bharat BillPay / भारत बिलपे

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- PayPoint India Network became the first private fintech to get membership in RBI's Centralised Payment System (CPS).
- PayPoint India Network RBI के Centralised Payment System (CPS) की सदस्यता पाने वाली पहली प्राइवेट फिनटेक कंपनी बनी।
- It now gets direct access to RTGS and NEFT, reducing dependency on intermediary banks.
- अब इसे RTGS और NEFT तक सीधी पहुंच मिल गई है, जिससे मध्यस्थ बैंकों पर निर्भरता कम हो गई है।
- PayPoint has received its own IFSC code and can directly manage settlement with RBI.
- PayPoint को अपना IFSC कोड मिला है और अब यह सीधे RBI के साथ सेटलमेंट कर सकता है।
- CPS is operated by RBI as a unified platform for processing both large-value and retail transactions.
- CPS RBI द्वारा संचालित एक प्लेटफॉर्म है जो बड़े और रिटेल दोनों प्रकार के लेनदेन को प्रोसेस करता है।

Ques: As per SBI Research, what is India's projected GDP growth rate for FY27?

प्रश्न: SBI रिसर्च के अनुसार FY27 के लिए भारत की अनुमानित GDP वृद्धि दर क्या है?

- A) 5.5–6.0%
- B) 6.0–6.5%
- C) 6.8–7.1%
- D) 7.5–8.0%
- E) 8.0–8.5%

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- SBI Research projects India's GDP growth at 6.8–7.1% in FY27.
- SBI रिसर्च ने FY27 में भारत की GDP वृद्धि 6.8–7.1% रहने का अनुमान लगाया है।
- India is facing global challenges such as oil price shocks and geopolitical tensions in West Asia.
- भारत तेल कीमतों के झटकों और पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- Despite these challenges, strong domestic fundamentals are supporting economic growth.
- इन चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू आर्थिक आधार वृद्धि को समर्थन दे रहा है।
- This indicates resilience and stability in India's economy.
- यह भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिरता और मजबूती को दर्शाता है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- GDP – Gross Domestic Product
- GDP – सकल घरेलू उत्पाद
- FY27 – Financial Year 2026–27
- FY27 – वित्तीय वर्ष 2026–27
- SBI – State Bank of India
- SBI – भारतीय स्टेट बैंक
- SBI Chairman – Dinesh Kumar Khara
- SBI चेयरमैन – दिनेश कुमार खारा

Ques: CheQ has partnered with which bank to launch India's first LED-powered co-branded credit card?

प्रश्न: CheQ ने भारत का पहला LED-पावर्ड को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के लिए किस बैंक के साथ साझेदारी की है?

- A) HDFC Bank / एचडीएफसी बैंक
- B) ICICI Bank / आईसीआईसीआई बैंक

- C) SBI / भारतीय स्टेट बैंक
D) Axis Bank / एक्सिस बैंक
E) AU Small Finance Bank / एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

Answer: Option E

Explanation | व्याख्या:

- CheQ partnered with AU Small Finance Bank to launch India's first LED-powered co-branded credit card named "CheQ AU Credit Card".
- CheQ ने "CheQ AU Credit Card" नाम से भारत का पहला LED-पावर्ड को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के लिए AU स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ साझेदारी की है।
- The card lights up during transactions using energy from the NFC field of POS terminals.
- यह कार्ड लेनदेन के दौरान POS टर्मिनल के NFC फील्ड से ऊर्जा लेकर प्रकाश करता है।
- It eliminates the need for a battery, making it more innovative and efficient.
- इसमें बैटरी की आवश्यकता नहीं होती, जिससे यह अधिक नवीन और प्रभावी बनता है।
- The card supports dual networks – Visa for global transactions and RuPay for UPI payments.
- यह कार्ड दो नेटवर्क को सपोर्ट करता है – वैश्विक लेनदेन के लिए Visa और UPI भुगतान के लिए RuPay।
- This innovation enhances user experience and promotes digital payments in India.
- यह नवाचार उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाता है और भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देता है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- AU Small Finance Bank Established – 1996 (as NBFC), Bank status in 2017
- AU स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थापना – 1996 (NBFC के रूप में), 2017 में बैंक बना
- Headquarters – Jaipur, Rajasthan
- मुख्यालय – जयपुर, राजस्थान

- Visa – Global payment network
 - Visa – वैश्विक भुगतान नेटवर्क
 - RuPay – Indian domestic card payment network by NPCI
 - RuPay – NPCI द्वारा संचालित भारतीय घरेलू कार्ड भुगतान नेटवर्क
-

Ques: What is the theme of the RBI's 4th Global Hackathon "HaRBInger – Innovation for Transformation"?

प्रश्न: RBI के चौथे ग्लोबल हैकाथॉन "HaRBInger – Innovation for Transformation" का थीम क्या है?

- A) Digital Payments for All / सभी के लिए डिजिटल भुगतान
- B) Secure Banking: Powered by Identity, Integrity, and Inclusivity / सुरक्षित बैंकिंग: पहचान, ईमानदारी और समावेशन द्वारा संचालित
- C) Future of FinTech Innovation / फिनटेक नवाचार का भविष्य
- D) Inclusive Growth through Banking / बैंकिंग के माध्यम से समावेशी विकास
- E) Smart Financial Ecosystem / स्मार्ट वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र

Answer: Option B

Explanation | व्याख्या:

- The Reserve Bank of India (RBI) launched the 4th edition of its Global Hackathon "HaRBInger – Innovation for Transformation".
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अपने ग्लोबल हैकाथॉन "HaRBInger – Innovation for Transformation" के चौथे संस्करण की शुरुआत की।
- The theme of the hackathon is "Secure Banking: Powered by Identity, Integrity, and Inclusivity".
- इस हैकाथॉन का थीम है "सुरक्षित बैंकिंग: पहचान, ईमानदारी और समावेशन द्वारा संचालित"।
- The hackathon focuses on three key problem statements.

- यह हैकैथॉन तीन प्रमुख समस्या कथनों पर केंद्रित है।
- These include Tokenised KYC, Offline CBDC, and Enhancing Trust.
- इनमें टोकनाइज़्ड KYC, ऑफलाइन CBDC और भरोसा बढ़ाना शामिल है।
- The initiative aims to promote innovation and strengthen the digital banking ecosystem.
- इस पहल का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और डिजिटल बैंकिंग प्रणाली को मजबूत करना है।

Ques: Who has been appointed as the part-time chairman of Bandhan Bank with approval from the Reserve Bank of India?

प्रश्न: Reserve Bank of India की मंजूरी से Bandhan Bank के पार्ट-टाइम चेयरमैन के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

- A) Shaktikanta Das / शक्तिकांत दास
- B) Debasish Panda / देबाशीष पांडा
- C) Rajnish Kumar / रजनीश कुमार
- D) Atanu Chakraborty / अतनु चक्रवर्ती
- E) Amitabh Chaudhry / अमिताभ चौधरी

Answer: Option B

Explanation | व्याख्या:

- Bandhan Bank received RBI approval to appoint Debasish Panda as its part-time chairman.
- Bandhan Bank को Debasish Panda को पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त करने के लिए RBI की मंजूरी मिली।
- The appointment is for a tenure of 3 years, approved via an RBI letter dated April 22.
- यह नियुक्ति 3 वर्षों के लिए है, जिसे RBI ने 22 अप्रैल के पत्र के माध्यम से मंजूरी दी।
- In another development, Punjab National Bank partnered with fintech firm

Kiwi.

- एक अन्य विकास में Punjab National Bank ने फिनटेक कंपनी Kiwi के साथ साझेदारी की।
- The partnership aims to introduce credit-enabled UPI payments.
- इस साझेदारी का उद्देश्य क्रेडिट आधारित UPI भुगतान शुरू करना है।
- PNB will launch “PNB Kiwi Credit Card” on the RuPay network operated by National Payments Corporation of India.
- PNB, RuPay नेटवर्क (जो National Payments Corporation of India द्वारा संचालित है) पर “PNB Kiwi Credit Card” लॉन्च करेगा।
- This initiative will benefit around 180 million customers and allow UPI payments through credit cards.
- इस पहल से लगभग 180 मिलियन ग्राहकों को लाभ होगा और वे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से UPI भुगतान कर सकेंगे।
- It strengthens India’s digital payment ecosystem and expands credit usage via UPI.
- यह भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करता है और UPI के माध्यम से क्रेडिट उपयोग को बढ़ाता है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- Bandhan Bank – Private Sector Bank
 - बंधन बैंक – निजी क्षेत्र का बैंक
 - Founded – 2015
 - स्थापना – 2015
 - Headquarters – Kolkata
 - मुख्यालय – कोलकाता
 - Punjab National Bank – Public Sector Bank
 - पंजाब नेशनल बैंक – सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक
 - Founded – 1894
 - स्थापना – 1894
 - Headquarters – New Delhi
 - मुख्यालय – नई दिल्ली
-

Ques: Vibha Padalkar, whose tenure was recently extended, is the MD & CEO of which company?

प्रश्न: हाल ही में जिनका कार्यकाल बढ़ाया गया, विभा पाडलकर किस कंपनी की MD & CEO हैं?

- A) ICICI Prudential Life Insurance / आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस
- B) SBI Life Insurance / एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस
- C) Max Life Insurance / मैक्स लाइफ इंश्योरेंस
- D) HDFC Life Insurance / एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस
- E) LIC / एलआईसी

Answer: Option D

Explanation | व्याख्या:

- Vibha Padalkar's tenure as MD & CEO of HDFC Life Insurance has been extended for five more years.
- विभा पाडलकर का HDFC लाइफ इंश्योरेंस के MD & CEO के रूप में कार्यकाल पांच वर्षों के लिए बढ़ाया गया है।
- She was first appointed to this position in 2018.
- उन्हें पहली बार 2018 में इस पद पर नियुक्त किया गया था।
- HDFC Life Insurance is one of India's leading private life insurance companies.
- HDFC लाइफ इंश्योरेंस भारत की प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक है।
- The extension reflects the company's confidence in her leadership.
- यह विस्तार उनके नेतृत्व में कंपनी के विश्वास को दर्शाता है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- HDFC Life Insurance Founded – 2000
- HDFC लाइफ इंश्योरेंस की स्थापना – 2000
- Headquarters – Mumbai, Maharashtra
- मुख्यालय – मुंबई, महाराष्ट्र

- Sector – Life Insurance
 - क्षेत्र – जीवन बीमा
 - Regulator – IRDAI (Insurance Regulatory and Development Authority of India)
 - नियामक – IRDAI (भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण)
-

Ques: Which AI company's model 'Mythos' is being reviewed by the Reserve Bank of India and global regulators for potential cybersecurity risks to the banking sector?

प्रश्न: किस AI कंपनी के मॉडल 'Mythos' की बैंकिंग क्षेत्र में संभावित साइबर सुरक्षा जोखिमों के लिए Reserve Bank of India और वैश्विक नियामकों द्वारा समीक्षा की जा रही है?

- A) OpenAI / ओपनAI
- B) Google DeepMind / गूगल डीपमाइंड
- C) Anthropic / एंथ्रोपिक
- D) Meta AI / मेटा AI
- E) Microsoft Copilot / माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- RBI is in talks with global regulators, Indian banks, and government officials to assess risks from Anthropic's AI model 'Mythos'.
- RBI वैश्विक नियामकों, भारतीय बैंकों और सरकारी अधिकारियों के साथ Anthropic के AI मॉडल 'Mythos' से जुड़े जोखिमों का आकलन करने के लिए चर्चा कर रहा है।
- Preliminary assessment suggests Mythos could increase cybersecurity risks by accelerating the discovery and exploitation of software vulnerabilities in financial systems.
- प्रारंभिक आकलन के अनुसार, Mythos सॉफ्टवेयर कमजोरियों की खोज और उनके दोहन को तेज कर सकता है, जिससे साइबर सुरक्षा जोखिम बढ़ सकते हैं।

- Regulators across Asia, Europe, and the US have already warned banks to strengthen cyber defences and preparedness in response to Mythos developments.
- एशिया, यूरोप और अमेरिका के नियामकों ने बैंकों को Mythos से जुड़े जोखिमों के मद्देनजर अपनी साइबर सुरक्षा मजबूत करने की चेतावनी दी है।
- Japan's financial regulator plans discussions with banks, while Australia's central bank is closely monitoring developments related to Mythos.
- जापान का वित्तीय नियामक बैंकों के साथ बैठक करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का केंद्रीय बैंक Mythos से जुड़े घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रख रहा है।
- RBI may directly engage with Anthropic to better understand the model's capabilities and associated risks to India's financial ecosystem.
- RBI, भारत के वित्तीय तंत्र पर संभावित प्रभावों को समझने के लिए Anthropic से सीधे संपर्क कर सकता है।
- Anthropic is a US-based AI safety company founded in 2021 by former OpenAI researchers including Dario Amodei and Daniela Amodei.
- Anthropic एक अमेरिका स्थित AI सुरक्षा कंपनी है, जिसकी स्थापना 2021 में OpenAI के पूर्व शोधकर्ताओं Dario Amodei और Daniela Amodei द्वारा की गई थी।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- Regulator – Reserve Bank of India (RBI)
- नियामक – भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)
- RBI Governor – Sanjay Malhotra
- RBI गवर्नर – संजय मल्होत्रा
- Headquarters – Mumbai
- मुख्यालय – मुंबई
- AI Model – Mythos
- AI मॉडल – मिथोस
- Developed By – Anthropic (USA-based AI Company)
- विकसितकर्ता – Anthropic (अमेरिका स्थित AI कंपनी)

Ques: SEBI has reduced the minimum investment in Social Impact Funds to what amount to promote accessibility through the Social Stock Exchange

(SSE)?

प्रश्न: SEBI ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) के माध्यम से निवेश को सुलभ बनाने के लिए सोशल इम्पैक्ट फंड्स में न्यूनतम निवेश राशि कितनी कर दी है?

- A) ₹10,000
- B) ₹5,000
- C) ₹2,000
- D) ₹1,000
- E) ₹500

Answer: Option D

Explanation | व्याख्या:

- The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has reduced the minimum investment in Social Impact Funds from ₹2 lakh to ₹1,000.
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) ने सोशल इम्पैक्ट फंड्स में न्यूनतम निवेश को ₹2 लाख से घटाकर ₹1,000 कर दिया है।
- This step aims to make social investing accessible to common investors.
- इस कदम का उद्देश्य आम निवेशकों के लिए सामाजिक निवेश को सुलभ बनाना है।
- The initiative is implemented through the Social Stock Exchange (SSE).
- यह पहल सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) के माध्यम से लागू की जा रही है।
- SEBI has also enabled the use of Zero Coupon Zero Principal (ZCZP) instruments on SSE.
- SEBI ने SSE पर जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल (ZCZP) उपकरणों के उपयोग को भी सक्षम किया है।
- ZCZP instruments help in transparent funding for social causes.
- ZCZP उपकरण सामाजिक उद्देश्यों के लिए पारदर्शी फंडिंग में मदद करते हैं।
- SSE is a platform where NGOs and social enterprises can raise funds from the public.
- SSE एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां NGOs और सामाजिक उद्यम जनता से धन जुटा सकते हैं।
- It is a separate segment of stock exchanges like BSE and NSE and is regulated by SEBI.

• यह BSE और NSE जैसे स्टॉक एक्सचेंज का एक अलग सेगमेंट है और SEBI द्वारा विनियमित है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- SEBI Established – 1988 (Statutory status in 1992)
- SEBI की स्थापना – 1988 (1992 में वैधानिक दर्जा)
- Headquarters – Mumbai
- मुख्यालय – मुंबई
- SSE Purpose – Fundraising for social causes
- SSE का उद्देश्य – सामाजिक उद्देश्यों के लिए धन जुटाना
- ZCZP Full Form – Zero Coupon Zero Principal
- ZCZP का पूरा नाम – जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल

Ques: As per the Draft PPI Master Directions 2026 issued by Reserve Bank of India, what is the minimum net worth required for a non-bank PPI issuer at the time of seeking authorisation, and how much must it be scaled up to within three years?

प्रश्न: Reserve Bank of India द्वारा जारी ड्राफ्ट PPI मास्टर दिशानिर्देश 2026 के अनुसार, अनुमति लेते समय गैर-बैंक PPI जारीकर्ता के लिए न्यूनतम नेट वर्थ कितनी होनी चाहिए और इसे तीन वर्षों में कितना बढ़ाना होगा?

- A) ₹2 crore → ₹10 crore (₹2 करोड़ → ₹10 करोड़)
- B) ₹5 crore → ₹15 crore (₹5 करोड़ → ₹15 करोड़)
- C) ₹10 crore → ₹25 crore (₹10 करोड़ → ₹25 करोड़)
- D) ₹5 crore → ₹25 crore (₹5 करोड़ → ₹25 करोड़)
- E) ₹15 crore → ₹25 crore (₹15 करोड़ → ₹25 करोड़)

Answer: Option B

Explanation | व्याख्या:

- RBI released draft Master Directions on PPIs proposing stricter capital requirements for non-bank issuers and tighter norms for low-KYC wallets.
- RBI ने PPIs पर ड्राफ्ट मास्टर दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें गैर-बैंक जारीकर्ताओं के लिए सख्त पूंजी आवश्यकताएं और कम-KYC वॉलेट के लिए कड़े नियम प्रस्तावित हैं।
- Non-bank PPI issuers must have a minimum net worth of ₹5 crore at authorisation, to be increased to ₹15 crore by the end of the third financial year and maintained thereafter.
- गैर-बैंक PPI जारीकर्ताओं को अनुमति के समय ₹5 करोड़ की नेट वर्थ रखनी होगी, जिसे तीसरे वित्त वर्ष तक ₹15 करोड़ तक बढ़ाना होगा और आगे भी बनाए रखना होगा।
- Small PPIs (Minimum KYC): Only one wallet per customer, validity up to 2 years, no reissue after expiry, usable only for goods and services (no cash withdrawal or P2P transfer), and cash loading capped at ₹10,000 per month.
- स्मॉल PPI (न्यूनतम KYC): प्रति ग्राहक केवल एक वॉलेट, अधिकतम 2 वर्ष की वैधता, समाप्ति के बाद पुनः जारी नहीं, केवल वस्तुओं और सेवाओं के लिए उपयोग (कोई नकद निकासी या P2P ट्रांसफर नहीं), और ₹10,000/माह तक कैश लोडिंग।
- Full-KYC PPIs: Balance limit of ₹2 lakh retained, P2P transfers capped at ₹25,000 per month, minimum validity of 1 year, and only one full-KYC PPI per holder.
- फुल-KYC PPI: ₹2 लाख की बैलेंस सीमा बरकरार, P2P ट्रांसफर ₹25,000/माह तक सीमित, न्यूनतम 1 वर्ष की वैधता, और प्रति धारक केवल एक फुल-KYC PPI।
- Issuers must keep PPI funds in a separate escrow account with a Scheduled Commercial Bank, used only for authorised PPI business.
- जारीकर्ताओं को PPI राशि को एक अलग एस्करो खाते में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के पास रखना होगा, जिसका उपयोग केवल अधिकृत PPI कार्यों के लिए होगा।
- On inactivity or closure, remaining balance must be transferred back to the source or a verified bank account.
- निष्क्रियता या बंद होने पर, शेष राशि को स्रोत खाते या सत्यापित बैंक खाते में वापस भेजना होगा।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- Directions – Draft Master Directions on PPIs, 2026

- दिशानिर्देश – ड्राफ्ट PPI मास्टर दिशानिर्देश, 2026
- Issued By – Reserve Bank of India (RBI)
- जारीकर्ता – भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)
- RBI Governor – Sanjay Malhotra
- RBI गवर्नर – संजय मल्होत्रा
- Headquarters – Mumbai
- मुख्यालय – मुंबई
- Announced – April 22, 2026
- घोषणा – 22 अप्रैल 2026
- PPI Full Form – Prepaid Payment Instrument
- PPI का पूरा नाम – प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट
- Net Worth (At Authorisation) – ₹5 crore
- नेट वर्थ (अनुमति के समय) – ₹5 करोड़
- Net Worth (Within 3 Years) – ₹15 crore
- नेट वर्थ (3 वर्षों में) – ₹15 करोड़
- Small PPI – Max validity 2 years, only for goods/services, one per customer
- स्मॉल PPI – अधिकतम 2 वर्ष वैधता, केवल वस्तु/सेवा हेतु, प्रति ग्राहक एक
- Small PPI Cash Loading – ₹10,000/month
- स्मॉल PPI कैश लोडिंग – ₹10,000/माह
- Small PPI Balance Cap – ₹10,000
- स्मॉल PPI बैलेंस सीमा – ₹10,000
- Full-KYC PPI Balance – ₹2 lakh
- फुल-KYC PPI बैलेंस – ₹2 लाख
- Full-KYC P2P Transfer Cap – ₹25,000/month
- फुल-KYC PPI P2P ट्रांसफर सीमा – ₹25,000/माह

Ques: The tenure of MD & CEO of which banks has been extended by 3 years recently?

प्रश्न: हाल ही में किन बैंकों के MD & CEO का कार्यकाल 3 वर्षों के लिए बढ़ाया गया है?

A) SBI & PNB / एसबीआई और पीएनबी

- B) BoB & BoI / बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया
- C) Canara Bank & UCO Bank / केनरा बैंक और यूको बैंक
- D) ICICI & HDFC / आईसीआईसीआई और एचडीएफसी
- E) Axis & IDBI / एक्सिस और आईडीबीआई

Answer: Option B

Explanation | व्याख्या:

- The Central Government has extended the tenure of MD & CEOs of Bank of Baroda and Bank of India by 3 years.
- केंद्र सरकार ने Bank of Baroda और Bank of India के MD & CEO का कार्यकाल 3 वर्षों के लिए बढ़ाया है।
- Debadatta Chand (BoB) and Rajneesh Karnatak (BoI) will continue in their respective roles.
- Debadatta Chand (BoB) और Rajneesh Karnatak (BoI) अपने पदों पर बने रहेंगे।
- The extension for Rajneesh Karnatak is effective from April 29, 2026.
- रजनीश कर्नाटक का कार्यकाल विस्तार 29 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा।
- The extension for Debadatta Chand is effective from July 1, 2026.
- देबदत्ता चंद का कार्यकाल विस्तार 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगा।
- The decision aims to ensure leadership continuity and stability in public sector banks.
- यह निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नेतृत्व की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- Bank of Baroda HQ – Vadodara
- बैंक ऑफ बड़ौदा मुख्यालय – वडोदरा
- Bank of India HQ – Mumbai
- बैंक ऑफ इंडिया मुख्यालय – मुंबई
- Tenure Extension – 3 years
- कार्यकाल विस्तार – 3 वर्ष

- BoB MD & CEO – Debadatta Chand
 - BoB MD & CEO – देबदत्ता चंद
 - BoI MD & CEO – Rajneesh Karnatak
 - BoI MD & CEO – रजनीश कर्नाटक
-

Ques: As per RBI's "Digital Payments – E-mandate Framework, 2026", recurring transactions above what amount require additional authentication?

प्रश्न: RBI के "डिजिटल पेमेंट्स – ई-मैन्डेट फ्रेमवर्क, 2026" के अनुसार कितनी राशि से अधिक के आवर्ती लेनदेन के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण आवश्यक है?

- A) ₹15,000
- B) ₹10,000
- C) ₹5,000
- D) ₹50,000
- E) ₹1,00,000

Answer: Option A

Explanation | व्याख्या:

- The Reserve Bank of India issued consolidated guidelines titled "Digital Payments – E-mandate Framework, 2026".
- भारतीय रिजर्व बैंक ने "डिजिटल पेमेंट्स – ई-मैन्डेट फ्रेमवर्क, 2026" नामक समेकित दिशानिर्देश जारी किए हैं।
- These norms apply to all payment system providers handling recurring payments through cards, prepaid payment instruments, and UPI.
- ये नियम कार्ड, प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रुमेंट्स और UPI के माध्यम से आवर्ती भुगतान संभालने वाले सभी प्रदाताओं पर लागू होते हैं।
- Customers must complete a one-time registration process with Additional Factor of Authentication (AFA).
- ग्राहकों को अतिरिक्त प्रमाणीकरण (AFA) के साथ एक बार का पंजीकरण करना होगा।
- Recurring transactions exceeding ₹15,000 require additional authentication.

- ₹15,000 से अधिक के आवर्ती लेनदेन के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण आवश्यक है।
- However, transactions up to ₹1 lakh are allowed without additional authentication in specific categories like insurance premiums, mutual funds, and credit card bill payments.
- हालांकि, बीमा प्रीमियम, म्यूचुअल फंड और क्रेडिट कार्ड बिल जैसे कुछ मामलों में ₹1 लाख तक के लेनदेन बिना अतिरिक्त प्रमाणीकरण के किए जा सकते हैं।
- Issuers must specify validity period and allow users to modify or withdraw mandates anytime.
- जारीकर्ता को वैधता अवधि स्पष्ट करनी होगी और उपयोगकर्ताओं को किसी भी समय मैन्डेट बदलने या वापस लेने की सुविधा देनी होगी।
- Advance alerts are mandatory at least 24 hours before debit, except for FASTag and NCMC auto-replenishment.
- डेबिट से कम से कम 24 घंटे पहले अग्रिम सूचना देना अनिवार्य है, हालांकि FASTag और NCMC ऑटो-रीचार्ज पर यह लागू नहीं है।
- No charges can be levied for availing e-mandate services.
- ई-मैन्डेट सेवा के लिए ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

Ques: Who has been appointed as Executive Director (ED) of AU Small Finance Bank?

प्रश्न: AU Small Finance Bank के कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

- A) Sanjay Malhotra / संजय मल्होत्रा
- B) Vivek Tripathi / विवेक त्रिपाठी
- C) Amitabh Chaudhry / अमिताभ चौधरी
- D) Shyam Srinivasan / श्याम श्रीनिवासन
- E) Rajnish Kumar / रजनीश कुमार

Answer: Option B

Explanation | व्याख्या:

- Reserve Bank of India approved the appointment of Vivek Tripathi as Executive Director (ED) of AU Small Finance Bank.
- Reserve Bank of India ने Vivek Tripathi को AU Small Finance Bank के कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी।
- The appointment is for a period of three years.
- यह नियुक्ति तीन वर्षों के लिए की गई है।
- He will also serve as a Whole-time Director (WTD) of the bank.
- वह बैंक में पूर्णकालिक निदेशक (WTD) के रूप में भी कार्य करेंगे।
- He is currently serving as Chief Credit Officer (CCO) and has been associated with the bank since 2014.
- वह वर्तमान में मुख्य क्रेडिट अधिकारी (CCO) हैं और 2014 से बैंक से जुड़े हुए हैं।
- The appointment will be effective from April 24, 2026, subject to shareholder approval.
- यह नियुक्ति 24 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- RBI Established – 1935
- आरबीआई की स्थापना – 1935
- Headquarters – Mumbai
- मुख्यालय – मुंबई
- Governor – Sanjay Malhotra
- गवर्नर – Sanjay Malhotra
- AU Small Finance Bank HQ – Jaipur
- एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक मुख्यालय – जयपुर

Ques: Export-Import Bank of India has extended a \$100 million loan to which organization?

प्रश्न: एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया ने \$100 मिलियन का ऋण किस संगठन को प्रदान किया है?

A) African Development Bank / अफ्रीकी विकास बैंक

- B) World Bank / विश्व बैंक
- C) Africa Finance Corporation / अफ्रीका फाइनेंस कॉर्पोरेशन
- D) International Monetary Fund / अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- E) Asian Infrastructure Investment Bank / एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक

Answer: Option C

Explanation | व्याख्या:

- Export-Import Bank of India has extended a \$100 million (approx ₹830 crore) loan to Africa Finance Corporation (AFC).
- एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया ने अफ्रीका फाइनेंस कॉर्पोरेशन (AFC) को \$100 मिलियन (लगभग ₹830 करोड़) का ऋण प्रदान किया है।
- The loan will support AFC's mandate to accelerate development of critical infrastructure and industrial assets across Africa.
- यह ऋण अफ्रीका में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और औद्योगिक संपत्तियों के विकास को तेज करने में AFC की सहायता करेगा।
- Africa Finance Corporation (AFC) is a leading infrastructure solutions provider in Africa.
- अफ्रीका फाइनेंस कॉर्पोरेशन (AFC) अफ्रीका में एक प्रमुख अवसंरचना समाधान प्रदाता है।

Static Part | स्थैतिक जानकारी:

- Africa Finance Corporation Founded – 2007
- अफ्रीका फाइनेंस कॉर्पोरेशन की स्थापना – 2007
- Headquarters – Lagos, Nigeria
- मुख्यालय – लागोस, नाइजीरिया
- EXIM Bank of India Established – 1982
- भारत के EXIM बैंक की स्थापना – 1982
- Headquarters – Mumbai
- मुख्यालय – मुंबई